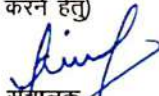


निविदा की शर्तें :-

1. अमानत राशि एफ.डी.आर./बैंक ड्राफ्ट जो कि संचालक, संस्कृति एवं पुरातत्व, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर सिविल लाईन, रायपुर छ.ग. के नाम से देय हो तथा कम से कम तीन वर्ष की अवधि का हो जिसे निविदा के साथ अलग लिफाफे में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। ब्याने की राशि के अभाव में निविदा बिना खोले वापस कर दी जायेगी।
2. किसी भी निविदा को पूर्ण अथवा आंशिक रूप से स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा एवं त्रुटियुक्त, ओव्हर रायटिंग, अपूर्ण हस्ताक्षरित तथा सशर्त निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।
3. मुहरबंद निविदाओं के प्रत्येक लिफाफे पर कार्य का नाम अंकित किया जाना आवश्यक है।
4. ऐसे ठेकेदार जो एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत हैं, उन्हें ही मान्य किया जावेगा। सरल क्रमांक 1, 2, 3, 5, 9 एवं 10 में उल्लेखित कार्य के लिए ठेकेदार को तीन वर्ष के अनुसूचक कार्य (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या राज्य शासन के अंतर्गत) का अनुभव होना आवश्यक है।
5. निविदा दो अलग-अलग लिफाफा पद्धति में प्रस्तुत किया जावेगा, प्रथम लिफाफा में अमानत राशि के साथ सत्यनिष्ठा संधि एवं शपथ पत्र तथा द्वितीय लिफाफा में वित्तीय प्रस्ताव। उक्त दोनों लिफाफे को एक बड़े लिफाफे में भरकर मुहरबंद करके पंजीकृत डाक (ए.डी.) या स्पीड पोस्ट सर्विस के माध्यम से प्रेषित करना होगा। प्रथम लिफाफा में अमानत राशि प्राप्त नहीं होने की दशा में वित्तीय प्रस्ताव नहीं खोला जावेगा।
6. विस्तृत निविदा विवरण की विशेष शर्त की कंडिका क्र.-8(1) के अनुसार प्रस्तुत निविदा असंतुलित होने पर निविदा राशि का पांच प्रतिशत अतिरिक्त अमानत राशि एफ.डी.आर. के रूप में अनुबंध के पूर्व जमा करना होगा।
7. विशेष शर्त की कंडिका अनुसार रु. 50.00 के गैर न्यायिक स्टाम्प हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी को वित्तीय प्रस्ताव खोलने हेतु निर्धारित तिथि के पूर्व अमानत राशि के लिफाफे में रखकर प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।
8. ठेकेदार द्वारा नियोजित श्रमिकों की उपस्थिति पंजी संघारित की जावेगी तथा प्रत्येक नियोजित श्रमिक को उसके बैंक एकाउण्ट में सीधे भुगतान करना अनिवार्य है।
9. ठेकेदार को नियोजित श्रमिकों की उपस्थिति पंजी/मस्टररोल, वेतन भुगतान पंजी, नियोजन पंजी का संघारण अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के साथ-साथ अन्य लाभ जैसे-ओव्हर टाइम भत्ता, बोनस, ग्रेच्युटी, मातृत्व हितलाभ, अवकाश, ई.एस.आई. भविष्य निधि तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी लाभ देना अनिवार्य है।
10. परिशिष्ट 2.10 के एनेक्सर जी (स्पेशल कंडीशन ऑफ एन.आई.टी.) की कंडिका 4 (1से 5) के अनुसार कार्य पूर्ण होने के पश्चात 3 वर्ष तक कार्य का संघारण ठेकेदार को करना होगा, जिसके लिए कोई राशि अलग से देय नहीं होगा।
11. विशेष शर्त की कंडिका 4 के अनुसार परफार्मेंस गारंटी के रूप में प्रत्येक देयक से 5 प्रतिशत अतिरिक्त सुरक्षा निधि काटी जाएगी जिसे कार्य पूर्ण होने पर 36 माह की बैंक गारंटी में बदला जा सकता है। ठेकेदार चाहे तो अनुबंध के पूर्व अनुबंध राशि की 5 प्रतिशत अतिरिक्त बैंक गारंटी जमा कर सकता है। ऐसी स्थिति में प्रत्येक देयक से अतिरिक्त 5 प्रतिशत की राशि की कटौती नहीं की जायेगी।
12. निविदा में भाग लेने वाले ठेकेदारों को वित्तीय क्षमता प्रमाण पत्र या इसकी सत्यापित प्रतिलिपि जो कि किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से प्रमाणित हो, जिसका मुख्य निविदा राशि का 15 प्रतिशत होना चाहिए जो आवेदन के दिनांक से 12 माह से अधिक समयावधि का ना हो प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
13. अमानत राशि के साथ सत्यनिष्ठा संधि एवं शपथ पत्र (दोनों पृथक-पृथक) प्राप्त नहीं होने पर ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत लिफाफा निविदा प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जावेगा।
14. किसी प्रकार का वाद-विवाद उत्पन्न होने पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर रहेगा तथा विवाद की स्थिति में संचालक, संस्कृति एवं पुरातत्व, रायपुर का निर्णय दोनों पक्ष को अनिवार्य रूप से मान्य होगा।
15. उपरोक्त सामान्य शर्त निविदा अनुबंध का भाग है।
16. कार्यादेश प्राप्त ठेकेदार/फर्म को देयक भुगतान के समय देयक की राशि का 5% सुरक्षा राशि एफ.डी.आर के रूप में जो कि संचालक, संस्कृति एवं पुरातत्व के नाम से जो तीन वर्ष की अवधि का हो जमा करना होगा। कार्य पूर्ण होने के उपरांत ठेकेदार को तीन वर्ष तक स्वयं के व्यय से त्रुटि सुधार/रखरखाव करना होगा एवं तीन वर्ष पूर्ण होने के उपरांत संबंधित अधिकारी/अभियंता के द्वारा कार्य सत्यापन उपरांत एफ.डी.आर. विमुक्त की जावेगी।

(केश शाखा द्वारा निर्धारित दिनांक तक प्रपत्र अर्हता प्राप्त फर्म को मांगे जाने पर जारी करने हेतु)


संचालक
संस्कृति एवं पुरातत्व

:: सांस्कृतिक विरासत एवं प्राचीन अवशेष राष्ट्र का गौरव है, जिसकी सुरक्षा करना हम सब का नैतिक दायित्व है। ::